ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 7 जुलाई -I, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

सत्यम शिवम सुंदरम की ध्वनि ही पत्रकारिता की शंखध्वनि

माऊण्ट आबू। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ.मानसिंह परमार ने ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग द्वारा 'समाज में शांति एवं अहिंसा की पुनर्स्थापना में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित चार दिवसीय मीडिया सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज में शांति और अहिंसा के अभाव के कारण सर्वमुखी विकास अवरूद्ध हो रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आत्मा पुकार रही है कि इस वातावरण में आमूलचूल परिवर्तन के लिए अहिंसा को मूल मंत्र बनाया जाए।

भारत के विभिन्न प्रांतों के अलावा नेपाल व बर्मा से आए पांच सौ के लगभग मीडिया कर्मियों की उपस्थिति वाले हॉर्मनी हॉल में सारगर्भित भाषण के दौरान डॉ.परमार ने कहा कि कार्यपालिका पर से लोगों का विश्वास घटता जा रहा है और कार्यपालिका न्यायपालिका की आस्था कम करने पर तुली हुई है। ऐसे समय में करोड़ों लोग मीडिया की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। इसलिए हमें अपनी ताकत को समझना होगा और निष्पक्ष होकर सत्य को समाज के सामने रखना होगा। मीडिया की विश्वसनीयता को कायम रखना आज के समय में बहुत बड़ी चुनौति है। समाज के सर्वांगीण विकास में मीडिया अपनी भूमिका अदा कर लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की तरह पांचवे वेद की संज्ञा भी पा सकता है। सत्यम शिवम सुंदरम की ध्वनि ही पत्रकारिता की शंखध्वनि है। प्रेस परिषद् का नियंत्रण इलेक्ट्रानिक मीडिया पर भी होना चाहिए ताकि उपभोक्तावाद व अपराध के प्रसार पर अंकुश का दायरा बढ़ाया जा सके।

मीडिया महासम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.ओमप्रकाश, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ.मानसिंह परमार तथा अन्य।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज मीडिया भी मानता है कि जो अच्छी बातें हैं वह लोगों की जानकारी में लाई जानी चाहिए। अतीत में सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत परमात्मा की अवतरण भूमि है। गीता में भी भगवान ने कहा है कि जब जब धर्म की ग्लानि होती है तब मैं इस सृष्टि पर अवतरित होकर सतधर्म की स्थापना करता हूँ। जब हमारे जीवन में सत्यता नहीं होगी तब तक मूल्यों का विकास नहीं होगा। पापाचार, दुराचार व भ्रष्टाचार की आंधी को थामने के लिए मीडिया को सकारात्मक प्रयासों के सहारे आगे जाना होगा।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.ओमप्रकाश ने कहा कि मीडिया सामाजिक क्रांति का एक सशक्त माध्यम है और उससे समाज को बहुत अपेक्षायें हैं। वर्तमान परिवेश में मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। आज मीडिया चाहे तो पूरी दुनिया को स्वर्ग बना सकता है। फिर से समाज में अहिंसा और शांति की पुनर्स्थापना के लिए मानवीय वृत्तियों में परिवर्तन लाने का दायित्व मीडिया को निभाना होगा।

ब्रह्माकुमारीज मल्टी मीडिया के निदेशक ब्र.कु.करूणा ने कहा कि अगले वर्ष में होने वाले आम चुनाव के कारण सारे विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हुई हैं। वर्तमान परिदृश्य में परिवर्तन लाने के लिए जरूरी है कि मीडिया स्वच्छ छवि वाले जन प्रतिनिधियों को चुनने के लिए देशवासियों को प्रेरित करें। इस तरह हम स्वर्णिम युग की पुनर्स्थापना में सहभागी बन जायेंगे।

विजन वर्ल्ड न्यूज, इंदौर के सम्पादक आशीष गुप्ता ने कहा कि किसी भी आंदोलन में संलिप्त होने के बजाए मीडिया को केवल सत्य - पाठकों, श्रोताओं व दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अन्ना हजारे के आंदोलन में मीडिया ने एक पक्षीय भूमिका निभायी और जब आंदोलन पिट गया तो नकारात्मक रूख अपना लिया। प्रतिस्पर्धा के दौर में मीडिया पर बाजारवाद हावी होता जा रहा है। जिसके कारण वह अपनी कलम का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता है। आज बत्तीस पृष्ठों का अखबार भी हमें उतना प्रभावित नहीं कर पाता है जबकि आजादी के दौर में चार पेज का मूल्यनिष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाईट समाचारपत्र देश के जनमानस को झकझोर देता था।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ.संजीव भानावत ने कहा कि मीडिया की शक्ति को संचार माध्यम के द्वारा अभियान का रूप देना होगा। दुर्भाग्य ये है कि मीडिया पाठ्यक्रम की शुरूआत नकारात्मक रिपोर्टिंग के प्रशिक्षण से होती है। जब तक सम्पादकीय मूल्य परिवर्तित नहीं होंगे तब तक मीडिया की वर्तमान भूमिका में बदलाव नहीं आ सकता। संस्कार निर्माण के लिए मीडिया को आगे आना होगा।

कटक से प्रकाशित दैनिक समाज के संपादक गोपाल कृष्ण महापात्रे ने कहा कि व्यवसायिकता और नैतिक दायित्वों के निर्वाहन में सामंजस्य बैठाना होगा। मीडिया में चल रही गलाकाट प्रतिस्पर्धा से समाज का अहित हो रहा है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.शीलू, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.शान्तनु आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। शिवम नृत्य कला केन्द्र, इंदौर की कन्याओं ने स्वागत नृत्य एवं आस्ट्रेलिया के ब्र.कु.डेविड ने बांसुरी वादन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इससे पूर्व स्वागत सत्र में अध्यक्षीय संबोधन ब्र.कु.सुंदरी ने दिया। मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.आत्मप्रकाश, ब्र.कु.मोहन सिंघल, ब्र.कु.सुशांत, ब्र.कु.शशि, टाइम्स ऑफ इंडिया जयपुर के न्यूज कोआर्डिनेटर अखिलेश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। खुले सत्र में मूल्यानुगत मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक प्रो.कमल दीक्षित ने 'सांस्कृतिक प्रदूषण पर अंकुश (शेष पेज 11 पर)

ब्र.कु.करूणा

प्रो.कमल दीक्षित

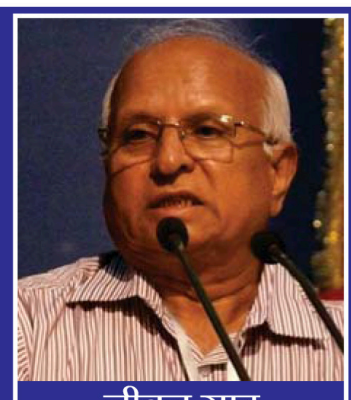
जीवन साहू

गिरिजा शंकर

मधुकर द्विवेदी

अखिलेश सिंह